Chapter 25 श्मशान

Chapter 25 Crematorium

श्मशान Questions and Answers, Notes, Summary

Cremation Questions and Answers, Notes, Summary

I. एक शब्द या वाक्यांश या वाक्य में उत्तर लिखिएः

I. Write a reply in a word or phrase or sentence:

प्रश्न 1.

श्मशान मनुष्य से प्यार के बदले क्या पाता है?

What does cremation find in lieu of love for man?

उत्तर:

श्मशान मनुष्य से प्यार के बदले घृणा ही पाता है।

Cremation is a hatred for man's love.

प्रश्न 2.

श्मशान किससे बातें कर रहा है?

Who is cremation talking to?

उत्तर:

श्मशान खड़ी पहाड़ी से बातें कर रहा है।

The crematorium is chatting with a steep hill.

प्रश्न 3.

युवक की पहली पत्नी का नाम लिखिए।

Write the name of the first wife of the young man.

उत्तर:

युवक की पहली पत्नी का नाम सुकेशी है।

The name of the young man's first wife is Sukeshi.

प्रश्न 4.

श्मशान सारे दिन किसके शव की प्रतीक्षा करता रहा?

Whose body waited for the crematorium all day?

उत्तर:

श्मशान सारे दिन युवक के शव की प्रतीक्षा करता रहा।

The crematorium waited for the body of the young man all day.

प्रश्न 5.

श्मशान के मन में वर्षों से किसके प्रेम की अलौकिक धारणा जमी हुई थी?

Whose supernatural notion of love was accumulated in the mind of cremation for years?

उत्तर:

श्मशान के मन में वर्षों से मनुष्य के अलौकिक प्रेम की धारणा जमी हुई थी।

The crematorium had accumulated the notion of man's supernatural love for years.

प्रश्न 6.

पाँच वर्ष में युवक की कितनी पत्नियाँ मर गईं?

How many wives of young men died in five years?

उत्तर:

पाँच वर्ष में युवक की तीन पत्नियाँ मर गई।

In five years, three wives of the young man died.

प्रश्न 7.

मनुष्य सबसे अधिक प्रेम किससे करता है?

Who does man love the most?

उत्तर:

मनुष्य सबसे अधिक प्रेम अपने आप से करता है।

Man loves the most.

प्रश्न 8.

‘श्मशान’ कहानी की लेखिका कौन हैं?

Who is the author of the ' cremation ' story?

उत्तर:

‘श्मशान’ कहानी की लेखिका श्रीमती मन्नू भंडारी हैं।

The author of the 'Crematorium' story is Mrs. Manu Bhandari.

प्रश्न 9.

युवक की पहली पत्नी का नाम लिखिए।

Write the name of the first wife of the young man.

उत्तर:

युवक की पहली पत्नी का नाम सुकेशी है।

The name of the young man's first wife is Sukeshi.

अतिरिक्त प्रश्नः

Additional Questions:

प्रश्न 10.

पहाड़ी को क्या दिखाई देता है?

What does the hill see?

उत्तर:

पहाड़ी को एक आँख से श्मशान, दूसरी से शहर और उसमें बसने वाले इंसान दिखाई देते हैं।

The hill is seen to be cremated with one eye, from the other to the city and the people who settle therein.

प्रश्न 11.

मनुष्य सिर्फ किसपर जिंदा नहीं रह सकता है?

Man cannot just survive on whom?

उत्तर:

मनुष्य सिर्फ प्रेम की स्मृति, कल्पना और आध्यात्मिक भावना पर जिन्दा नहीं रह सकता है।

Man cannot live only on the memory, imagination and spiritual spirit of love.

प्रश्न 12.

युवक की अग्रगामिनी कौन थी?

Who was the forerunner of the young man?

उत्तर:

युवक की अग्रगामिनी उसकी तीसरी पत्नी थी।

The young man's frontor was his third wife.

प्रश्न 13.

किसके पास प्रेम भरा दिल होता है?

Who has a loving heart?

उत्तर:

इंसान के पास प्रेम भरा दिल होता है।

Man has a loving heart.

प्रश्न 14.

मनुष्य की सबसे बड़ी निधि क्या है?

What is man's largest fund?

उत्तर:

मनुष्य की सबसे बड़ी निधि प्रेम होता है।

Man's greatest fund is love.

प्रश्न 15.

श्मशान को क्या बनने की तमन्ना है?

What does cremation want to become?

उत्तर:

श्मशान को इंसान बनने की तमन्ना है।

Cremation has a desire to become a human being.

प्रश्न 16.

युवक किसे अपनी अनुगामिनी कहते हैं?

Who is the young man who calls his anugamini?

उत्तर:

युवक अपनी पहली पत्नी सुकेशी को अनुगामिनी कहते हैं।

The young man calls his first wife Sukesi an anugamini.

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

II. Write answers to the following questions:

प्रश्न 1.

श्मशान ने आह भरकर पहाड़ी से क्या कहा?

What did the crematorium say to the hill by filling the sigh?

उत्तर:

श्मशान ने आह भरकर पहलू में खड़ी पहाड़ी से कहा – “मैं इन्सान को जितना प्यार करता हूँ, उतनी ही घृणा उससे पाता हूँ। सभी मनुष्य यही चाहते हैं कि कभी उन्हें मेरा मुँह न देखना पड़े। पर वास्तव में मैं इतना बुरा नहीं हूँ। संसार में जब मनुष्य को एक दिन के लिए भी स्थान नहीं रह जाता, तब मैं उसे अपनी गोद में स्थान देता हूँ। अमीर-गरीब, वृद्ध-बालक सबको मैं समान दृष्टि से देखता हूँ। पर मेरे पास प्रेम नहीं, मुहब्बत का चिराग नहीं। नहीं जानता खुदा ने मेरे साथ ऐसी बेईमानी का सलूक क्यों किया?”

The crematorium sighs and said to the hill standing in the aspect: "I find man as much love as I love. All human beings want them to never see My face. But actually I'm not so bad. In the world, when man is not even a place for a day, I place him in my lap. I see the rich and the poor, the old child, everyone in equal terms. But I don't have love, no lamp of mash. I don't know why God treated me with such dishonesty?"

प्रश्न 2.

मनुष्य के प्रेम के बारे में श्मशान के विचार प्रकट कीजिए।

Express the idea of cremation about the love of man.

उत्तर:

श्मशान कि दृष्टि में ‘मनुष्य प्रेम’ बहुत महत्वपूर्ण है। वह मनुष्य प्रेम को अलौकिक समझता है। वह मनुष्य के मन में अपने लिए भी थोड़ी जगह बनाना चाहता है। वह मनुष्य प्रेम को ‘निधि’ के समान मानता है जो उसके नसीब में नहीं है। उसका मानना है ‘मनुष्य प्रेम से ही जीवन को परिपूर्णता प्राप्त होती है। उसे अपना जीवन बेकार और निरर्थक लगता है। मनुष्य के पास जैसा प्रेममय हृदय है, उसे पाने के लिए वह अपने जैसे सौ जीवन भी कुर्बान करने के लिए तैयार है।

'Man love' is very important in the sight of cremation. He considers man love to be supernatural. He wants to make a little space for itself in the mind of man. He considers man love as a ' fund ' which is not destined for him. He believes, "Human love brings perfection to life. He finds his life useless and meaningless. He is ready to sacrifice a hundred lives like his own to get the loving heart of man.

प्रश्न 3.

पहली पत्नी की मृत्यु पर युवक किस प्रकार विलाप करने लगा?

How did the young man mourn the death of the first wife?

उत्तर:

युवक पहली पत्नी की राख बटोरते बटोरते विलाप करने लगा – “तुम मुझे छोड़कर कहाँ चली गई सुकेशी? दो वर्षों में ही तुम मुझे अकेला छोड़कर चली गई। अब मैं तुम्हारे बिना जीवित नहीं रह सकता। तुम मुझे अपने पास बुला लो। तुम्हारे बिना यह जीवन व्यर्थ है, नीरस है। तुम मेरी प्रेरणा थीं। अब मैं जीवित रहकर करूँगा ही क्या?” इसी प्रकार वह रोता रहा, सिर फोड़ता रहा।

The young man gathered the ashes of the first wife and began to moan– "Where did you leave me? In two years, you left me alone. Now I cannot survive without you. You call me to you. Without you, this life is futile, monotonous. You were my inspiration. Now I will live, and so he cried, and he burst his head.

प्रश्न 4.

युवक अपनी तीसरी पत्नी की मृत्यु के उपरांत उसे सबसे अधिक गुणी क्यों समझता है?

Why does the young man consider him the most virtuous after the death of his third wife?

उत्तर:

युवक अपनी तीसरी पत्नी की मृत्यु के पश्चात् उसके पहले वाले रूप में और आज के रूप में कोई अन्तर न था। उसकी बातें भी वही थीं, केवल इतना अंतर था कि आज उसे अपनी तीसरी पत्नी ही सबसे अधिक गुणी दिखाई दे रही थी। वह दावा कर रहा था कि तीसरी पत्नी से ही उसका सच्चा प्रेम था, पहली दो स्त्रियों का प्रेम बचपना था, नासमझी थी। पहली उसकी अनुगामिनी थीं, दूसरी सहगामिनी, तो तीसरी अग्रगामिनी थी, उसकी पथ-प्रदर्शिका थी, जिसके बिना वह एक कदम भी जीवित नहीं रह सकता।

The young man had no difference in his earlier form and today after the death of his third wife. His words were the same, the only difference was that today he was looking at his third wife. He was claiming that his true love was from the third wife, the love of the first two women was childish, unwise. The first was his anugamini, the second co-vagarini, the third agargamini, his path-exhibition, without which he could not survive even a step.

प्रश्न 5.

अंततः पहाड़ी ने तरस खाकर श्मशान से क्या कहा?

Finally, what did the hill yearn for and say to the crematorium?

उत्तर:

तीसरी पत्नी के देहान्त पर युवक का क्रंदन कंठस्थ पाठ की तरह लगने लगा था। मनुष्य के अलौकिक प्रेम की जिस भावना को श्मशान अपने हृदय में बडे यत्न से सँजोए बैठा था, उसका वही हृदय इस दृश्य से पत्थर हो गया। श्मशान की हालत देखकर पहाड़ी ने दिलासा देते हुए कहा, जो इंसान प्रेम करता है उसे जीवन भी कम प्यारा नहीं। वह प्रेम की स्मृति, कल्पना और आध्यात्मिक भावना पर ही जिंदा नहीं रहता। जीवन की पूर्णता के लिए वह फिर प्रेम करता है। स्वयं जीवित रहने की ललक में हर वियोग को झेल लेता है, व्यथा सह लेता है क्यों कि मनुष्य केवल अपने आपसे अधिक प्रेम करता है।

On the demise of the third wife, the young man's cry began to look like a memorized text. The spirit of man's supernatural love, which was very diligently cherished in his heart, became a stone from this scene. Seeing the condition of the crematorium, the hill comforted and said, "The person who loves him is not even less loving." He does not survive the memory, imagination and spiritual spirit of love. He loves again for the perfection of life. He himself takes every disconnection in the way of survival, the agony, because man only loves himself more.

अतिरिक्त प्रश्नः

Additional Questions:

प्रश्न 6.

पहली पत्नी की मृत्यु के बाद नवयुवक की हालत कैसी थी? समझाइए।

What was the condition of the young man after the death of the first wife? Explain.

उत्तर:

पहली पत्नी की मृत्यु के बाद नवयुवक फूट-फूटकर रो रहा था, मानो किसी ने उसका सबकुछ लूट लिया हो। वह चीखने लगा – ‘तुम मुझे छोड़कर कहाँ चली गई सुकेशी – अब मैं जीवित नहीं रह संकता। तुम मुझे अपने पास बुला लो, नहीं तो मुझे ही तुम्हारे पास आने का कोई उपाय करना पड़ेगा। तुम्हीं तो मेरा जीवन थीं, मेरी प्रेरणा थी। अब मैं जीवित रह कर क्या करूँगा।

After the death of the first wife, the young man was crying bitterly, as if someone had robbed him of everything. He screamed – ' Where did you leave me, Sukesi – now I will not survive. You call me, otherwise I have to take any way to come to you. You were my life, my inspiration. Now what will I do to survive?

प्रश्न 7.

नवयुवक के बारे में श्मशान का अंतःकरण क्या कह रहा था?

What was the conscience of cremation about the young man saying?

उत्तर:

नवयुवक के बारे में श्मशान का अंतःकरण रह-रहकर कह रहा था – अवश्य ही उसने आत्महत्या कर ली होगी। वह शायद नदी में डूब गया होगा या किसी ऐसे उपाय से उसने अपना अंत कर लिया होगा कि मैं उसकी लाश को भी नहीं पा सका। मेरी कितनी तमन्ना थी कि मैं उसे उसकी प्रिया के पास पहुँचा देता।

The conscience of the crematorium about the young man was saying – he must have committed suicide. He may have drowned in the river or by a measure that he would have made his end that I could not even find his corpse. I had the desire to pass it to her beloved.

प्रश्न 8.

दूसरी पत्नी की मृत्यु के बाद युवक किस प्रकार विलाप करता है?

उत्तर:

दूसरी पत्नी की मृत्यु के बाद भी युवक का क्रंदन अत्यंत करुण था। उसकी चीत्कारें दिल को दहला देनेवाली थी। अपनी पत्नी की राख पर लौट लौट कर कहने लगा – मैंने स्वप्न में भी नहीं सोचा था कि तुम मुझे इस तरह मझधार में छोड़कर चली जाओगी – अब मैं तुम्हारे बिना कैसे जीवित रहूँगा। तुमने अपनी मधुर मुस्कानों से एक दिन में ही मेरे मन से सुकेशी की व्यथा पोंछ दी थी। मुझे अपने पास बुला ले, अब मैं इस संसार में नहीं रह सकूँगा।

श्मशान लेखिका परिचयः

हिन्दी कहानीकार मन्नू भंडारी का जन्म 1931 ई. में मध्य प्रदेश के भानपुरा नामक गाँव में हुआ। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए आपने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रवेश लेकर वहीं से एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। नई पीढ़ी की महिला कथाकारों में आपका विशिष्ट स्थान है। आपका विवाह हिन्दी साहित्यकार श्री. राजेन्द्र यादव से हुआ। आपने अपनी कहानियों में नारी जीवन की समस्याओं को मार्मिक ढंग से रेखांकित किया है। आपकी रचना-शैली संयत और प्रवाहपूर्ण है। भाषा सजीव और आडंबरशून्य है।

Hindi storyteller Manu Bhandari was born in 1931 AD in a village called Bhanpura in Madhya Pradesh. For higher education, you have entered kashi hindu university and from there, M.A. received the title of . You have a unique place in the new generation of female storytellers. You were married to Hindi literary writer Shri Rajendra Yadav. You have highlighted the problems of women's life in your stories in a poignant manner. Your composition style is well-flowing and flowing. The language is live and pretentious.

प्रमुख रचनाएँ :

Key compositions:

कहानी संग्रह – ‘मैं हार गई’, ‘तीन निगाहों की एक तस्वीर’, ‘यही सच है’, ‘एक प्लेट सैलाब’ आदि।

Story collection – 'I lost', 'A picture of three eyes', 'This is true', 'One plate flood' etc.

कहानी का आशयः

Story Intent:

पहाड़ी मनुष्य का परिचय देते हुए श्मशान से कहता है- जीवन की पूर्णता के लिए वह फिर-फिर प्रेम करता है। जीवित रहने की ललक के चलते ही वह हर वियोग झेल लेता है। व्यथा सह लेता है क्योंकि सब से अधिक प्रेम तो मनुष्य अपने आप से करता है। प्रस्तुत कहानी में मन्नू भंडारी ने इस सत्य को उजागर किया है। मनुष्य की स्वार्थपरता, सुख की लोलुपता एवं जीवन की वास्तविकता का परिचय कराने हेतु प्रस्तुत व्यंग्य रचना चयनित है।

The hill introduces man and says to the crematorium: He loves it again for the perfection of life. As a result of the need to survive, he is able to withstand every disconnection. The agony takes co-because the most love is that human beings do it by ourselves. In the story presented, Manu Bhandari has exposed this truth. The satirical composition presented to introduce the selfishness of man, the knower of happiness and the reality of life is selected.

श्मशान Summary in Hindi

Cremation Summary in Hindi

मन्नू भंडारी हिन्दी की प्रसिद्ध लेखिका हैं। इनकी कहानियों में जीवन के विभिन्न पक्षों का सजीव चित्रण मिलता है। ‘श्मशान’ लेखिका की एक व्यंग्य कहानी है, जिसमें मानव की स्वार्थी प्रवृत्ति का चित्रण किया गया है। कहानी में ‘पहाड़ी’ और ‘श्मशान’ – दो जड़ पात्रों को लेकर एक नया प्रयोग किया गया है।

Manu Bhandari is a famous writer of Hindi. Their stories have a live depiction of different aspects of life. ' Cremation ' is a satirical story of the author, depicting the selfish tendency of human beings. The story has a new experiment with two root characters – 'Hill' and 'Crematorium'.

श्मशान वह स्थान है, जहाँ शवों को गाड दिया जाता है अथवा जला दिया जाता है। उस भूमि को कोई देखना नहीं चाहता, परन्तु हर एक को वहाँ एक दिन जाना ही पड़ता है।

Cremation is the place where the dead bodies are buried or burned. No one wants to see that land, but everyone has to go there one day.

श्मशान को चिन्ता हुई कि वह प्रेम-रहित है। वह अपना दुःख पहाड़ी के सम्मुख प्रकट करता है। उसकी बात सुनकर पहाड़ी मुस्कुराती है। इतने में कुछ लोग एक युवती के शव को कंधों पर उठाकर लाए। एक युवक अपनी पत्नी की मृत्यु पर छाती पीटकर रो रहा है। युवती की लाश का दाह-संस्कार होता है। सब भारी मन से घर लौट जाते हैं। तब श्मशान रोते हुए युवक को देखकर सोचता है कि उसे भी किसी को प्यार करना था। वह युवक के प्रेम से प्रभावित होता है। श्मशान सोचता है कि युवक अपनी पत्नी के वियोग में अपनी जान दे देगा, पर ऐसा नहीं हुआ।

The crematorium was worried that it was free of love. He manifests his sorrow before the hill. The hill smiles at his hearing. So some people brought the body of a young woman on the shoulders. A young man is crying on the death of his wife. The body of the young woman is cremated. Everyone returns home with a heavy heart. Then the crematorium looks at the crying young man and thinks that he also had to love someone. He is influenced by the love of the young man. The crematorium thinks that the young man will give his life in the separation of his wife, but it did not happen.

तीन साल बीत गए। फिर एक युवती का शव आया। रोती हुई भीड़ के आगे वही युवक, जो तीन साल पहले अपनी पत्नी की लाश के साथ आया था। श्मशान का दिल पिघल गया’ युवक दो पत्नियों को खो चुका था। इस बार युवक का रोना श्मश में गूंजने लगा। श्मशान दुःख न दबा पाया। युवक दाह-संस्कार के बाद घर लौटा। श्मशान सोचता है – अब की बार शीघ्र ही युवक अपनी दूसरी पत्नी के वियोग में जान दे देगा, पर ऐसा नहीं हुआ।

Three years have passed. Then the body of a young woman came. The same young man who came with his wife's body three years ago. The heart of the crematorium melted ' the young man had lost two wives. This time the young man's cry began to kneel in the whimish. The cremation could not be suppressed. The youth returned home after cremation. Cremation thinks – now the young man will soon die in the separation of his second wife, but it did not happen.

और दो साल बीत गए। उस युवक की तीसरी पत्नी की लाश श्मशान में आयी। युवक के दुःख का न आर था, न पार। श्मशान भी रोने लगा। लाश के अंतिम संस्कार के बाद युवक रोता-चिल्लाता (विलाप करता) घर चला गया।

And two years have passed. The body of the third wife of the young man came to the crematorium. The young man's grief was neither r nor cross. The crematorium also wept. After the funeral of the corpse, the young man cries and shouts (laments) went home.

श्मशान को युवक के आचरण से आश्चर्य हुआ। तीन पत्नियों के मरने के बाद भी वह न मरा। उसका आचरण श्मशान को बड़ा विचित्र लगा। पहाड़ी श्मशान की हालत देखकर हँस पड़ी। वह श्मशान से कहती है – देखो भैया! प्रेम बड़ा विचित्र होता है। युवक अपनी पत्नी की मौत पर दुखी हुआ। मर जाने के लिए भी तैयार हुआ, पर मरा नहीं। वह पत्नी से ज्यादा अपने जीवन से प्रेम करता है। इसलिए वह तीन पत्नियों के मरने के बाद भी जिन्दा रहा।

The crematorium was surprised by the conduct of the youth. He did not die even after three wives died. His conduct was very strange to the crematorium. The condition of the hill crematorium laughed. She says to the crematorium – look Bhaiya! Love is very strange. The young man was saddened at the death of his wife. Was ready to die, but not dead. He loves his life more than a wife. So he remained alive even after three wives died.

मनुष्य अपने आप से अधिक प्रेम करता है। कोई भी मानव मौत से प्रेम नहीं करता। प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन से प्रेम करता है। पहाड़ी की बात सुनने के बाद श्मशान को शांति मिली।

Man loves himself more. No human man loves death. Every human being loves his life. After hearing the hill, the crematorium got peace.

श्मशान Summary in English

Cremation Summary in English

Mannu Bhandari is a renowned Hindi writer. One can find beautiful descriptions of the various facets of life in her writings. ‘Shamshaan’ is one of Bhandari’s sarcastic stories in which man’s selfish nature is depicted. In this story, there is a unique usage of two characters – ‘mountain’ and ‘graveyard’ (Shamshaan).

Shamshaan (graveyard) is the place where dead bodies are either buried or cremated. No one wants to look at that place, but finally, every person has to go there someday.

Once, the graveyard feels that no one loves him. He shares his feelings with the mountain. The mountain listens to the graveyard and smiles. Just then, some people bring in a young woman’s dead body, carrying it on their shoulders. A young man, the husband of the dead woman, is crying uncontrollably. The last rites of the young woman are performed. Everyone returns home with a heavy heart. The graveyard, looking at the young man crying, feels that even it should love someone. The graveyard is deeply touched by the love of the young man towards his dead wife. The graveyard thinks that the young man too would die very soon, heartbroken, but that does not happen.

Three years pass. Once again, a young woman’s dead body is brought to the graveyard. Ahead of a large crowd of crying people was the same young man who had come with the dead body of his first wife three years ago. The graveyard’s heart melted. The young man had lost two wives. This time the young man’s cries resonated around the graveyard. The graveyard was also unable to suppress its sadness. The young man returned home after the last rites were performed. The graveyard thought that this time, the young man would certainly die of grief having lost his second wife. However, this didn’t happen.

Two more years passed. The dead body of the young man’s third wife was brought to the graveyard. The young man’s grief knew no bounds. The graveyard also began to cry. After the last rites of the dead body were performed, the young man returned home crying and sobbing.

The graveyard was shocked by the behaviour of the young man. Even after losing three wives, the young man did not die. The young man’s response to the death of three wives seemed quite strange to the graveyard. The mountain began to laugh at the graveyard’s state. She said to the graveyard that love was a very strange thing. The young man was sad at the loss of his wife, and was even ready to die, but he did not. More than his wife, the young man loved his own life. Therefore, even after losing three wives, he still survived.

Man loves his own life more than anything else. No person loves death. Every person loves himself or herself. After listening to the mountain’s words, the graveyard felt at peace.

कठिन शब्दार्थः

Hard semantics:

हूक – हृदय की पीड़ा, दर्द, वेदना;

hook – heart agony, pain, anguish;

सुरमई – सुहानी, सुरमें के रंग का;

Surmay – Suhani, the colour of the jewels;

स्निग्धता – शीतलता;

snidity - coldness;

तमन्ना – इच्छा;

Desire – desire;

क्रंदन – रोना, विलाप;

Cry – cry, moan;

शुस्क – नीरस, स्नेहरहित;

shusk – monotonous, affectionate;

दहलाना – भयभीत करना, डरकर काँपना;

shocking – frighten, trembling in fear;

दग्ध – अत्यधिक पीड़ा, पीड़ित, दुःखित;

burnt – extreme suffering, suffering, suffering;

धुंधलका – धुंए के रंग का, अस्पष्ट;

twilight – smoke-colored, obscure;

अनुगामिनी – आज्ञाकारिणी;

anugamini - obedience;

सहगामिनी – साथ चलनेवाली;

Sahgamini – bunny with;

अग्रगामिनी – आगे चलनेवाली;

Agargamini – the forward bunny;

लालसा – चाह, इच्छा;

longing – desire, desire;

ढर्रा – पथ, आदत, मार्ग;

dbarra – path, habit, route;

अवाक् – निस्तब्ध, मौन;

awestruck – flushing, silent;

विमूढ़ – अचेत, बेसुध;

dissociation – unconscious, delirious;

स्मृति – स्मरण, याद;

Memory – Remembrance, Remembrance;

पीर – पीड़ा;

PIR – pain;

मझधार – बीच राह में, मध्य भाग;

lurch – in the middle way, the middle part;

डोम – श्मशान की देखभाल करनेवाला।

Dome – cremation caregiver.